Date - 4 March 2022

संयुक्त राष्ट्र महासभा: रूस-यूक्रेन

- हाल ही में, भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा आयोजित मतदान में भाग नहीं लिया है। प्रस्ताव में रूस से यूक्रेन से अपने सैनिकों को बिना शर्त वापस बुलाने का आह्वान किया गया।
- पूर्व में रूस द्वारा वीटो के प्रयोग के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनएससी) में वही प्रस्ताव विफल हो गया, जिसके बाद महासभा का यह सत्र बुलाया गया।

प्रमुख बिंदु

- 96 देशों द्वारा सह-प्रायोजित, प्रस्ताव के लिए उपस्थित सदस्य राज्यों के दो-तिहाई वोट और इसे पारित होने के लिए मतदान की आवश्यकता थी।
- यह यूक्रेन पर रूस द्वारा 24 फरवरी 2022 के 'विशेष सैन्य अभियान' की निंदा करता है।
- इसमें कहा गया है कि बल द्वारा अधिग्रहित किसी भी क्षेत्र को मान्यता नहीं दी जाएगी और रूस से यूक्रेन में सैन्य अभियानों को "बिना किसी शर्त के तुरंत" बंद करने का आह्वान किया।

भारत का रुख और चिंताएं:

- संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने कहा कि भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से छात्रों के लिए "सुरक्षित और निर्बाध मार्ग" सुनिश्चित करना भारत की "सर्वोच्च प्राथमिकता" है।
- भारत ने "तत्काल युद्धविराम" और संघर्षरत क्षेत्रों में मानवीय सहायता प्रदान करने का भी आह्वान किया है।
- भारत को उम्मीद थी कि रूस और यूक्रेन के बीच दूसरे दौर की वार्ता के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।
- रूस की कार्रवाइयों ने भारत को असहज स्थिति में डाल दिया है क्योंकि वह रूस और पश्चिमी दोनों देशों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है।
- चीन और पाकिस्तान के साथ अपने अनुभवों को देखते हुए, भारत एक देश द्वारा दूसरे देश के साथ साझा की गई सीमाओं को बदलने के एकतरफा प्रयासों से सावधान है।

Yojna IAS

- भारत का आग्रह है कि सभी सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति प्रतिबद्धता और सभी राज्यों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें।
- उदाहरण के लिए, भारत के कई पड़ोसी देशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जैसे कि भूटान, नेपाल और मालदीव। अफगानिस्तान, जो वर्तमान में एक आतंकवादी संगठन (तालिबान) द्वारा शासित है, और म्यांमार, जो वर्तमान में एक जुंटा (सैन्य) द्वारा शासित है, ने भी पक्ष में मतदान किया।
- भारत की तरह बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका और चीन ने मतदान से परहेज किया।

क्या संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव बाध्यकारी हैं?

- संकल्प और निर्णय संयुक्त राष्ट्र के अंगों की राय या इच्छा की औपचारिक अभिव्यक्ति हैं।
- संकल्प की प्रकृति यह निर्धारित करती है कि क्या इसे राज्यों के लिए बाध्यकारी माना जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 10 और 14 में महासभा के प्रस्तावों को "सिफारिशें" कहा गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) द्वारा महासभा के प्रस्तावों की 'अनुशंसात्मक प्रकृति' पर बार-बार जोर दिया गया है।
- हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के आंतरिक मामलों से संबंधित कुछ महासभा के प्रस्ताव – जैसे कि बजटीय निर्णय या निचले क्रम के अंगों को निर्देश – स्पष्ट रूप से बाध्यकारी हैं।
- सामान्य तौर पर, चार्टर के अध्याय VII के तहत कार्य करने वाले प्रस्तावों को सुरक्षा परिषद द्वारा चार्टर के अनुच्छेद 25 के अनुसार बाध्यकारी माना जाता है।
- हालांकि वे यूएनएससी के स्थायी सदस्यों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले वीटो के अधीन हैं।

Yojna IAS

कोणार्क शहर ग्रिड निर्भरता

- भारत के ओडिशा राज्य का कोणार्क शहर ग्रिड निर्भरता से हरित ऊर्जा में स्थानांतरित होने वाला पहला मॉडल शहर बनने जा रहा है।
- ओडिशा सरकार ने इस संबंध में नीतिगत दिशानिर्देश जारी किए हैं।
- केंद्र सरकार द्वारा मई 2020 में ओडिशा में कोणार्क सूर्य मंदिर और कोणार्क शहर के सौरकरण के लिए एक योजना शुरू की गई थी।

नीति दिशानिर्देश:

- राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत वर्ष 2022 के अंत तक सूर्य, पवन, बायोमास, लघु जल विद्युत और अपशिष्ट से ऊर्जा (WTE) आदि जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से 2,750 मेगावाट बिजली पैदा करने का लक्ष्य|
- राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा से 2200 मेगावाट बिजली पैदा करने का भी लक्ष्य रखा है और इसका एक हिस्सा सूर्य मंदिर और कोणार्क शहर को सौर ऊर्जा से चलाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा|
- कोणार्क के लिए नवीकरणीय/नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की एक महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है।

इस पहल का महत्व और इससे जुड़ी चुनौतियाँ:

- ग्रिड से सौर ऊर्जा की ओर जाने से सूर्य मंदिर की बिजली की खपत को कम करने में मदद मिलेगी।
- सौर ऊर्जा से होने वाले वित्तीय लाभ से मंदिर के अन्य विकास कार्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी।
- ओडिशा को विशाल सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।
- राज्य में 480 कि.मी. इसकी एक तटरेखा है जो नियमित चक्रवातों के कारण प्रभावित होती है। इसने अब तक 22 वर्षों के दौरान सुपर साइक्लोन, फीलिन, हुदहुद, तितली, अम्फान और फानी सहित 10 चक्रवातों का सामना किया है।
- इसके अलावा, सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में भूमि अधिग्रहण एक और बड़ी चुनौती है।
- ये तटीय क्षेत्र चक्रवात से प्रभावित हैं और ओडिशा के कुछ हिस्सों में घने जंगल हैं, साथ ही घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जमीन अधिक महंगी है।

कोणार्क सूर्य मंदिर:

- कोणार्क सूर्य मंदिर पूर्वी ओडिशा में पवित्र शहर पुरी के पास स्थित है।
- इसे राजा नरसिंहदेव प्रथम ने 13वीं शताब्दी (1238-1264 ई.) में बनवाया था। यह गंगा राजवंश के वैभव, वास्तुकला, शक्ति और स्थिरता के साथ-साथ ऐतिहासिक वातावरण का प्रतिनिधित्व करता है।
- पूर्वी गंगा राजवंश को रूधि गंगा या ओरिएंटल गंगा के नाम से भी जाना जाता है।

Yojna IAS

- मध्यकालीन युग में यह एक विशाल भारतीय शाही राजवंश था जिसने 5वीं शताब्दी से लेकर 15वीं शताब्दी के प्रारंभ तक कलिंग पर शासन किया।
- पूर्वी गंगा राजवंश का गठन तब शुरू हुआ जब इंद्रवर्मा प्रथम ने विष्णुकुंडिन राजा को हराया।
- मंदिर एक विशाल रथ के आकार में बनाया गया है।
- यह सूर्य देव को समर्पित है।
- कोणार्क मंदिर न केवल अपनी स्थापत्य भव्यता के लिए बल्कि मूर्तिकला के काम की गहराई और दक्षता के लिए भी जाना जाता है।
- यह कलिंग वास्तुकला की उपलब्धि का सर्वोच्च बिंदु है जो जीवन की कृपा, खुशी और लय को दर्शाता है।
- इसे वर्ष 1984 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
- कोणार्क सूर्य मंदिर के दोनों ओर 12 पहियों की दो पंक्तियाँ हैं। कुछ लोगों का मत है कि 24 पहिए दिन के 24 घंटों का प्रतीक हैं, जबकि अन्य का कहना है कि वे वर्ष के 12 महीनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- सात घोड़ों को सप्ताह के सात दिनों का प्रतीक माना जाता है।
- नाविकों ने कभी इसे 'ब्लैक पैगोडा' कहा था, क्योंकि ऐसा माना जाता था कि यह जहाजों को किनारे की ओर आकर्षित करता है और उन्हें नष्ट कर देता है।
- कोणार्क 'सूर्य पंथ' के प्रसार के इतिहास में एक अमूल्य कड़ी है, जो 8वीं शताब्दी के दौरान कश्मीर में उभरा और अंततः पूर्वी भारत के तटों तक पहुंच गया।

ओडिशा में अन्य महत्वपूर्ण स्मारक:

- जगन्नाथ मंदिर
- तारा तारिणी मंदिर
- उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएं
- लिंगराज मंदिर

Swadeep Kumar

Yojna IAS